चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.10.21	2	3-6

फसलों की समग्र सिफारिशें आसान भाषा में दें वैज्ञानिक, कम पढ़े लिखे किसान भी फायदा उठा सकें : वीसी

एचएयू में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन पर वीसी ने दी जानकारी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं, ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके।

ये विचार एचएयू व जौजेयू हिसार के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे एचएयू में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेक कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है, ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुष्क कृषि, कृषि यांत्रिकी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.10.21	4	3-6

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 अक्तूबर (ब्यूरो): किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक संपर्क बनाए रखते हैं। ये विचार एच.ए.यू. व गुजवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे हकृवि में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की 2 दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेक कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है, ताकि आने वाले समय में उसका समय पर निदान हो सके।

कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यशाला के दूसरे दिन संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

कार्यशाला में 6 सत्र आयोजित किए गए। प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुष्क कृषि, कृषि यांत्रिकी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में गत वर्ष फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और उसको लेकर सुझाव दिए।

69349 क्विंटल पी.आर. धान की हो चुकी आवक

हांसी (भुटानी): एस.डी.एम. डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि हांसी की अनाज मंडी में 69349 क्विंटल धान की आवक हो चुकी है इसमें से 54396 क्विंटल धान की सरकारी खरीद का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अहलावत ने बताया कि अनाज मंडी में अब तक 1509 किस्म की धान की 19350 क्विंटल की खरीद की जा चुकी है। 1121 किस्म के धान की 3609 क्विंटल खरीद हो चुकी है। मंडी में 12015 क्विंटल बाजरे की भी खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल बिक्री के कार्य में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि यह मंडी में फसल उठान का कार्य भी साथ-साथ तेजी से करवाते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	28.10.21	9	2-4

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर की सिफारिश

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यशाला का समापन

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। संबोधित करते मुख्यातिथि प्रोफेसर बीआर काम्बोज व मौजूद अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं। यह बात एचएयू कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि थे। छह सत्र आयोजित किए गए। गेहूं व जौ, गन्ना व मक्का, दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। फसलों की समस्याओं व समाधान के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.10.21	4	3-4

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक

कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्यातिथि प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य पदाधिकारी। • एचएयू।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं।

ये विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि विज्ञानियों एवं प्रदेश सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डा. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। विज्ञानियों से आह्वान किया वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सके। डा. जगदीप बराड़ ने कहा कि सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.10.21	5	1-3

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक : काम्बोज

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

हिसार, 27 अक्तूबर (देवानंद सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में गत वर्ष फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और उसको लेकर सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.10.21	6	1-5

सलाह • एचएयू के वैज्ञानिकों ने की गेहूं की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की सिफारिश

डब्ल्यूएच 1105, 711, 542 और 1184 किस्म की नवंबर के पहले सप्ताह तक कर सकते हैं बिजाई

महबूब अली | हिसार

गेहूं हरियाणा की एक महत्वपूर्ण अनाज वाली फसल है। इसकी बिजाई अगर समय पर कर दी जाए तो अच्छी पैदावार ली जा सकती है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह और नवंबर का पहले सप्ताह गेहूं की बिजाई के लिए उचित है। गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1105, 711, 542 और 1184 किस्म की बुवाई कर अधिक आमदनी कमाई जा सकती है।

प्रो. बीआर काम्बोज

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार किसानों के लिए अच्छी पैदावार व रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में नई किस्म डब्ल्यू एच 1270 वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई है। बिजाई के लिए औसत तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। गेहूं की अगेती बिजाई के लिए सी 306, डब्ल्यू एच 1025, डब्ल्यू एच 1080 की बिजाई कम पानी वाली जमीन पर करें। अगेती बिजाई अक्टूबर का अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक पूरी कर लें। अधिक खाद पानी व अगेती बिजाई के लिए डी बी डब्ल्यू 187 व डीबी डब्ल्यू 303 की बिजाई करें। जिन क्षेत्रों में सिंचाई के लिए कम पानी उपलब्ध है वहां डब्ल्यू एच 1142 किस्म की बिजाई करें।

अच्छी पैदावार लेने के लिए छोटे आकार के बीज वाली किस्में बेहतर

▪ **बीज की मात्रा:** अच्छी पैदावार लेने के लिए छोटे आकार के बीज वाली किस्में जैसे डब्ल्यू एच 542 के लिए 40 किलोग्राम तथा मोटे आकार के बीज वाली किस्में जैसे डब्ल्यू एच-157 के लिए 50 किलोग्राम, डब्ल्यू एच 283, डब्ल्यू एच 711 के लिए 45 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ डालें।

▪ **बीज उपचार:** दीमक के नियंत्रण के लिए 40 किलोग्राम बीज को 60 मिलीलीटर क्लोरोपायरीफोस 20 ई.सी. से उपचारित करें। खुली कंगियारी व पत्तियों की कंगियारी से बचाव के लिए गेहूं के बीज को कार्बनडेजियम या कार्बोक्सिन 2 .0 ग्राम प्रति किलो बीज या टेबुकोनाजोल 1.0 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बिजाई से पहले उपचार करें।

▪ **बिजाई:** एचएयू के कुलपति प्रो. काम्बोज के अनुसार गेहूं की बिजाई बीज एवं उर्वरक ड्रिल से करें। अगर यह मशीन उपलब्ध न हो तो सिंचित क्षेत्रों में बिजाई फैरा विधि से करें। समय की बिजाई के लिए दो खुड़ों का फासला 20 सेंटीमीटर रखें। किस्म सी 306 की बिजाई 6 से 7 सेंटीमीटर गहरी जबकि अन्य किस्मों की बिजाई 5 से 6 सेंटीमीटर गहरी करें। धान गेहूं फसल चक्र वाले क्षेत्रों में गेहूं की बिजाई जीरो टिल बीज व उर्वरक ड्रील से करें।

▪ **खाद व उर्वरक:** गेहूं व जौ अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया क गेहूं की बिजाई के समय सिंचित क्षेत्रों में बौनी किस्मों के लिए 65 किलोग्राम यूरिया, 150 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट, 20 किलोग्राम म्यूरेट पोटाश व 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग प्रति एकड़ करें। जिन क्षेत्रों में म्यूरेट पोटाश की मात्रा कम हो, वहां 40 किलोग्राम की मात्रा में इसका प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि मिट्टी जांच के आधार पर खाद देने से अच्छे फायदे मिलते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.10.21	3	7-8

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक : कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है।

किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं। फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक होती हैं। यह कहना है एचएयू के कुलपति प्रो. डॉ. बीआर कांबोज का।

वह विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे कई कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी-मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है, वहीं फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर आर्थिक सहायता प्रदान करती है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	28.10.21	7	1

'फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक'

हिसार, 27 अक्तूबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय बैठक के समापन अवसर पर अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि वैज्ञानिक अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी रखते हैं। इससे आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान अच्छी पैदावार हासिल कर सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	27.10.2021	--	--

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त कृषि निदेशक डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में इस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुद्रित करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरी विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में चना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुष्क कृषि, कृषि मशीनरी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में रबी फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और उनको लेकर सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	27.10.2021	---	---

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 27 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि

किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलें, शुष्क कृषि, कृषि वानिकी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में गत वर्ष फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और उनको लेकर सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.10.21	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायकः प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि

बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जल मेरा धनी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुष्क कृषि, कृषि वानिकी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	**27.10.21**	--	--

दो दिवसीय कार्यशाला, वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया किय वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए किया मंथन

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर काम्बोज

वाटिका न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया किय वे समग्र सिफारिशों को ओर भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूरत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गन्ना आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उनका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहीं फसलों के विविधकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गन्ना व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुष्क कृषि, कृषि वानिकी को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

Oct 27, 2021 • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

[illegible] मंडल व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

हिसार : 27 अक्टूबर – चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। [illegible]

Select Month

OPTICAL

Categories

Select Category